NEWS CLIPPING: 21.08.2019

AMAR UJALA

स्टार्टअप में सहयोग देगा जेसी बोस विवि

फरीदाबाद। जेसी बोस विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, वाईएमसीए, फरीदाबाद विद्यार्थियों को सफल स्टार्ट-अप में सहयोग देगा। जल्द ही परिसर में एक इनक्यूबेशन सेंटर स्थापित किया जाएगा। यह जानकारी कुलपति प्रो. दिनेश कुमार ने मंगलवार को बीटेक विद्यार्थियों के लिए आयोजित इंडक्शन प्रोग्राम के उद्घाटन सत्र में दी। तीन सप्ताह तक चलने वाला यह कार्यक्रम डीन स्टूडेंट वेलफेयर डॉ. नरेश चौहान की देखरेख में इंजीनियरिंग विभागों की सक्रिय भागीदारी द्वारा आयोजित किया जा रहा है। इसका संयोजन निदेशक, युवा कल्याण डॉ. प्रदीप डिमरी और डिप्टी डीन स्टूडेंट वेलफेयर डॉ. सोनिया बंसल कर रहे हैं। कुलपति ने कहा कि राज्य सरकार ने विश्वविद्यालय में इनक्यूबेशन सेंटर स्थापित करने के लिए 30 लाख रुपये की राशि स्वीकृत की है। इसके अलावा विश्वविद्यालय के भूतपूर्व छात्र के संघ ने सेंटर की स्थापना के लिए वित्तीय सहायता का योगदान देने का आश्वासन दिया है। ब्यूरो

NEWS CLIPPING: 21.08.2019

NAVBAHARAT TIMES

3 सप्ताह तक चलेगा कार्यक्रम

एनबीटी न्यूज, फरीदाबाद : जेसी बोस (वाईएमसीए) यूनिवर्सिटी में बीटेक छात्रों के लिए इंडक्शन प्रोग्राम की शुरुआत मंगलवार को हुई। कुलपति प्रो.दिनेश कुमार ने कहा कि छात्रों के इनोवेटिव बिजनेस आइडिया को सफल स्टार्ट-अप में परिवर्तित करने में हम पूरा सहयोग देंगे। उन्होंने कहा कि छात्र पढ़ाई के साथ-साथ यूनिवर्सिटी के विभिन्न क्लबों में शामिल होकर रचनात्मक गतिविधियों अपनी भागीदारी सुनिश्चित करें। डीन डॉ.संदीप ग्रोवर ने छात्रों को यूनिवर्सिटी के बारे में विस्तार से जानकारी दी। युवा कल्याण निदेश डॉ.प्रदीप डब्मरी ने तीन सप्ताह के इंडक्शन प्रोग्राम के बारे में जानकारी दी।

NEWS CLIPPING: 21.08.2019

PUNJAB KESARI

बिजनेस आइडिया को स्टार्ट-अप के रूप में विकसित करने में सहयोग देगा जेसी बोस विश्वविद्यालय

इंडक्शन कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कुलपति प्रो. दिनेश कुमार।

फरीदाबाद, 20 अगस्त (ब्यूरो): जे.सी. बोस विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, वाईएमसीए, फरीदाबाद विद्यार्थियों के इनोवेटिव बिजनेस आइडिया को सफल स्टार्ट-अप में परिवर्तित करने में सहयोग देगा। विश्वविद्यालय द्वारा विद्यार्थियों की सुविधा के लिए जल्द ही परिसर में एक इनक्यूबेशन सेंटर स्थापित किया जायेगा। यह जानकारी कुलपति प्रो दिनेश कुमार ने आज बीटेक विद्यार्थियों के लिए आयोजित इंडक्शन प्रोग्राम के उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए दी। इस अवसर पर कुलसचिव डा. राज कुमार, डीन, संस्थान डा. संदीप ग्रोवर, डीन इंफॉर्मेटिक्स एंड कंप्यूटिंग डा. कोमल भाटिया के अलावा विभिन्न इंजीनियरिंग विभागों के अध्यक्ष भी उपस्थित थे। तीन सप्ताह तक चलने वाला यह कार्यक्रम डीन स्टूडेंट वेलफेयर डा. नरेश चैहान की देखरेख में इंजीनियरिंग विभागों की सक्रिय भागीदारी द्वारा आयोजित किया जा रहा है, जिसका संयोजन निदेशक, युवा कल्याण डा. प्रदीप डिमरी और डिप्टी डीन स्टूडेंट वेलफेयर डा. सोनिया बंसल कर रहे है। इस अवसर पर कुलपति ने विद्यार्थियों को पढ़ाई के साथ-साथ विभिन्न विश्वविद्यालय क्लबों में शामिल होकर रचनात्मक गतिविधियों अपनी भागीदारी सुनिश्चित बनाने के लिए भी कहा। उन्होंने कहा कि प्रत्येक छात्र को कम से कम दो क्लब में शामिल होना चाहिए और अपनी प्रतिभा को उभरने का मौका देना चाहिए। इससे पहले, डीन इंस्टीट्यूशंस डा. संदीप ग्रोवर ने विद्यार्थियों को विश्वविद्यालय के बारे में एक विस्तृत जानकारी दी और उन्हें विश्वविद्यालय की विभिन्न प्रशासनिक एवं अकादमिक इकाईयों एवं उनके कार्यों के बारे में भी अवगत कराया।

पंजाब केसरी ई-पेपर
Wed, 21 August 2019
https://epaper.punjabkesari.in/c/42704580

NEWS CLIPPING: 21.08.2019

HINDUSTAN

वाईएमसीए में इनक्यूबेशन सेंटर

फरीदाबाद | कार्यालय संवाददाता

वाईएमसीए के छात्रों के लिए अच्छी खबर है। जेसी बोस विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (वाईएमसीए) में इनक्यूबेशन सेंटर शुरू करने का निर्णय लिया गया है। इसके माध्यम से छात्रों को स्टार्टअप व्यवसाय को शुरू करने में मदद मिलेगी। सबकुछ ठीक रहा तो इसे दिसंबर के अंततक शुरू कर दिया जाएगा। इसके लिए विश्वविद्यालय को तीस लाख रुपये की स्वीकृति मिल चुकी है।

विश्वविद्यालय में पढ़ाई करने वाले छात्रों के लिए विकसित करने में मदद करने के लिए इनक्यूबेशन सेंटर शुरू करने का निर्णय लिया है। प्रथम चरण में स्टार्टअप के लिए संजीवनी का काम करेगा। यह संस्थान आम तौर पर स्टार्टअपको व्यापारिक एवं तकनीकि सुविधाएं, सलाह , प्रारंभिक विकास निधि, नेटवर्क, संबंध, सहकारी रिक्त स्थान, प्रयोगशाला की सुविधा, सलाह और सलाहकार समर्थन जैसी सुविधाएं प्रदान की जाएंगी। प्रथम चरण में इनक्यूबेटर इन स्टार्टअप के लिए एक गुरु की भूमिका निभाता है। इनक्यूबेशन सेंटर में मौजूद विशेषज्ञ स्टाटअप शुरू करने से पहले प्रत्येक विषय के संबंध में जानकारी देंगे। यह सेंटर हर खतरे से बचाता है। स्टार्टअप इंडिया स्कीम में इनक्यूबेटर की महत्वपूण भूमिका है। स्टार्टअप के लिए देश में 56 इनक्यूबेटरों को मान्यता प्रदान की गई है। इसमें से वाईएमसीए एक है। ये इनक्यूबेटरस स्टार्ट अप का मूल्यांकन कर स्टार्टअप डिया स्कीम के तहत इनके नाम सरकार को सुझाते हैं।

पूराने छात्रों का लिया जाएगा सहयोग

सेंटर को शुरू करने के बाद पूराने सफल छात्रों का सहयोग लिया जाएगा। वाईएमसीए के कई ऐसे छात्र हैं, जो देश विदेश में व्यापार के क्षेत्र में अपनी पहचान बना चुके हैं। यह छात्र नए छात्रों को व्यापार का गुर सिखाएंगे, जिससे वह पढ़ाई के बाद अपना व्यापार कर लोगों को रोजगार दे सकें। वाईएमसीए के कुलपति प्रो. दिनेश कुमार ने बताया कि सेंटर शुरू करने के लिए 30 लाख रुपये की स्वीकृति मिली है। सबकुछ ठीक रहा तो दो-तीन महीने में शुरू कर दिया जाएगा। इसके लिए मॉडल तैयार किया गया है, जिससे यहा पढ़ाई करने वाले छात्र व्यापार के क्षेत्र में बेहतर कर सकें।

NEWS CLIPPING: 21.08.2019

DAINIK BHASKAR

स्टूडेंट पढ़ाई के साथ रचनात्मक गतिविधियों में भी अपनी भागीदारी बढ़ाएं : प्रो. दिनेश कुमार

विवि में बीटेक विद्यार्थियों के लिए तीन सप्ताह का इंडक्शन कार्यक्रम शुरू

DB 21/8/19

भास्कर न्यूज | फरीदाबाद

जेसी बोस विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय स्टूडेंट के इनोवेटिव बिजनेस आइडिया को सफल स्टार्टअप में परिवर्तित करने में सहयोग देगा। विश्वविद्यालय की ओर से विद्यार्थियों की सुविधा के लिए जल्द ही परिसर में एक इनक्यूबेशन सेंटर भी स्थापित किया जाएगा।

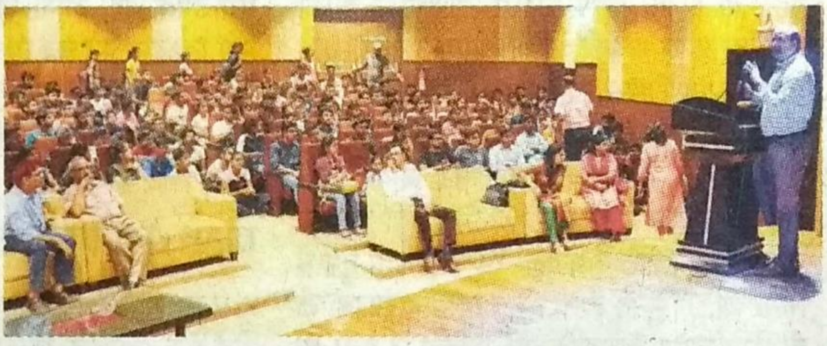

इंडक्शन कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कुलपति प्रो. दिनेश कुमार।

यह जानकारी कुलपति प्रो. दिनेश कुमार ने मंगलवार को बीटेक विद्यार्थियों के लिए शुरू हुए तीन सप्ताह के इंडक्शन प्रोग्राम में दी। कुलपति ने कहा राज्य सरकार ने विश्वविद्यालय में इनक्यूबेशन सेंटर स्थापित करने के लिए 30 लाख रुपए की राशि स्वीकृत की है। इसके अलावा विश्वविद्यालय के भूतपूर्व छात्र संघ ने सेंटर की स्थापना के लिए वित्तीय सहायता का योगदान देने का आश्वासन दिया है। इनक्यूबेशन सेंटर विद्यार्थियों को उनके बिजनेस आइडिया को एक सफल स्टार्टअप के रूप में विकसित करने में सहायता प्रदान करेगा। उन्होंने कहा कि इंजीनियरिंग के विद्यार्थियों के लिए टीक्यूआईपी-3 प्रोजेक्ट के तहत भी शोध परियोजनाओं के लिए सहायता का प्रावधान है। कुलपति ने विद्यार्थियों से पढ़ाई के साथ-साथ विभिन्न विश्वविद्यालय क्लबों में शामिल होकर रचनात्मक गतिविधियों में अपनी भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए कहा।